ओम् शान्ति 24-7-25 मधुबन

अगस्त 2025 के लिए विशेष होमवर्क

(4 सप्ताह के लिए गुण वा शक्तियों का अभ्यास)

प्राणप्यारे अव्यक्त बापदादा के अति स्नेही, सदा तीव्र पुरुषार्थ में तत्पर, अपनी शक्तिशाली मन्सा द्वारा सर्व आत्माओं को शुभ भावनाओं की सकाश देने वाली निमित्त टीचर्स बहिनें तथा सर्व ब्राह्मण कुल भूषण भाई बहिनें,

ईश्वरीय स्नेह सम्पन्न मधुर याद स्वीकार करना जी।

बाद समाचार - वर्तमान समय की परिस्थितियों को देखते हुए प्यारे बापदादा की हम सभी बच्चों प्रति विशेष यही प्रेरणा है कि मास्टर दयालु कृपालु बन सर्व के प्रति अपनी शुभचिंतक वृत्ति रख विशेष मन्सा सकाश द्वारा सुख शान्ति की किरणें देने की सेवा करो।

पिछले जून-जुलाई 2025 में सभी ने अपनी मीठी मम्मा और दीदी मनमोहिनी जी की दिव्य स्मृतियों के साथ विशेष गुण वा शक्तियों पर अभ्यास किया। अगस्त मास हम सबकी मीठी कुशल प्रशासक, अपने दिव्य गुणों वा शक्तियों से सबकी पालना करने वाली दादी प्रकाशमणि जी का स्मृति मास है। इस मास में हम सभी दादी जी की अलौकिक पालना देने के रिटर्न में कुछ गुणों वा शक्तियों को रिवाइज कर उनका स्वरूप बनने का विशेष पुरुषार्थ करेंगे।

इस पत्र के साथ आपके पास 4 सप्ताह का होमवर्क भेज रहे हैं, जिसमें एक गुण एक सप्ताह तक विशेष अभ्यास में लाना है (प्रतिदिन उसी एक गुण की अलग प्वाइंट्स स्मृति के लिए लिख रहे हैं, जो प्रतिदिन मुरली क्लास के बाद सुनानी है) फिर उसी गुण को शक्ति रूप में परिवर्तित करने के लिए प्रतिदिन योग तपस्या करना है। जैसे जुलाई मास में सभी स्थानों पर विशेष योग के कार्यक्रम चलते रहे हैं, ऐसे अगस्त मास में भी विशेष सभी को लक्ष्य रख तपस्या करनी है। मन और मुख का मौन रख प्रकृति सहित सर्व आत्माओं को मन्सा सकाश देनी है।

हर एक को लक्ष्य रखना है कि प्रतिदिन कम से कम 8 घण्टा, सुबह 4 से 8 और शाम को 6 से 10, बजे तक अन्तर्मुखता की गुफा में बैठ आत्म अभिमानी स्थिति में रहने का अभ्यास करना ही है। जिन भाई बहनों ने दादी प्रकाशमणी जी की अलौकिक पालना ली है, वह उनके अंग संग के अनुभव सुनायें तथा उनकी मूल शिक्षाओं से सबको लाभान्वित करें, इससे सभी ब्रह्मा वत्सों में पुरुषार्थ की एक नई लहर उत्पन्न होगी। व्यर्थ और निगेटिव का नाम निशान समाप्त होगा और बाबा के सभी बच्चे विशेष विश्व कल्याण के महान कार्य में अपना योगदान देकर परमात्म प्रत्यक्षता के निमित्त बन सकेंगे। इसी शुभ भावना से इस पत्र के साथ प्रत्येक सप्ताह के लिए विशेष गुण तथा उसके साथ एक छोटा चार्ट भी भेज रहे हैं। सभी यह चार्ट अवश्य भरकर अपनी निमित्त बड़ी बहन को दें, बड़ी बहिनें उसकी टोटल रिजल्ट ज़ोन/सबज़ोन की बड़ी बहिनों को दें, वह सभी की रिजल्ट अपनी त्रैमासिक मीटिंग के समय मधुबन में आकर अवश्य सुनायें।

अच्छा - सभी को बहुत-बहुत याद.... ओम् शान्ति।

पहला सप्ताह - आनंद स्वरूप स्थिति

5 अगस्त से 11 अगस्त 2025 तक के लिए विशेष अभ्यास

प्रथम दिन 5-8-25

गुणः- चलते-फिरते, कार्य करते यही स्मृति रहे कि मैं आनंद स्वरूप हूँ...।

शक्तिः- मैं आत्मा कोटों में कोई, कोई में भी कोई हूँ, स्वयं भगवान ने मुझे चुना है। मैं सत्-चित् आनंद स्वरूप हूँ। परमात्म मिलन और परमात्म प्राप्ति से आनंदमय स्थिति का अनुभव कर रही हूँ...।

दूसरा दिन 6-8-25

गुणः- अमृतवेले से रात्रि तक सदा स्मृति रहे कि मैं पदमापदम भाग्यशाली हूँ।

शक्तिः- संगमयुग के श्रेष्ठ भाग्य को अनुभव कर अपने खुशनसीबी का खुश किस्मत होने का गीत गाते हुए अनुभव करें कि भाग्य विधाता ने मेरे भाग्य में कितने खजाने दिये हैं। ऐसे भाग्य का अुनभव कर आनंद से भरपूर हो रही हूँ...।

तीसरा दिन 7-8-25

गुणः- सारे दिन स्मृति रहे कि मैं बेफिक्र बादशाह हूँ...।

शक्तिः- बेफिक्र बादशाह की स्थिति में बैठ आनंद के सागर से सर्व प्राप्तियों से भरपूर हो रही हूँ, आनंद की शक्ति सम्पन्न स्थिति से सर्व आत्मायें बेफिक्र बनती जा रही है...।

चौथा दिन 8-8-25

गुणः- कर्म व्यवहार करते सारा दिन याद रहे कि मैं बेगर टू प्रिंस बनने वाला हूँ।

शक्तिः- याद की मस्ती में मस्त होकर ब्रह्मा बाप समान ऐसे नशे का अनुभव हो कि मैं आत्मा अब इस पुराने शरीर को छोड़ मिचनू बनूँगा, बेगर टू प्रिंस बनूँगा। इसी आनंद की स्थिति में चारों तरफ आनंद के वायब्रेशन फैला रही हूँ...।

पाचवां दिन 9-8-25

गुणः- हरेक आत्मा के सम्बन्ध सम्पर्क में आते स्मृति रहे कि मैं रमता योगी, मस्त फकीर हूँ।

शक्तिः- तपस्वी स्वरूप में बैठ, योग की शक्तिशाली स्थिति का अभ्यास करते हुए दिल में सदा अनुभव का यह गीत बजता रहे कि पाना था सो पा लिया। ऐसे मस्त योगी बन अपने प्राप्ति सम्पन्न जीवन से आनंद का प्रकम्पन्न फैला रही हूँ...।

छठ्ठा दिन 10-8-25

गुणः- सदा नशा रहे कि मैं सर्व प्राप्ति स्वरूप हीरो पार्टधारी हूँ...।

शक्तिः- बाबा से प्राप्त हुए खजानों को इमर्ज कर अनुभव करें कि इस बेहद ड्रामा में मैं हीरो पार्टधारी हूँ। सारे कल्प में विशेष पार्ट बजाने वाली इस समय भगवान के साथ पार्ट बजाते परमानंद की अनुभूति कर रही हूँ...।

सातवां दिन 11-8-25

गुणः- सदा नशा रहे कि मैं भगवान का दिल तख्तनशीन बच्चा हूँ।

शक्तिः- सर्वशक्तिवान की छत्रछाया के नीचे बैठ अभ्यास करें कि मैं भगवान का दिलतख्तनशीन हूँ। बाबा का सबसे आज्ञाकारी बच्चा हूँ। बाबा ने मुझे अपने दिल में बिठाया है। मैं बाबा के गले में पिरोने वाला विजयी रत्न हूँ..., ऐसे आनंद के झूले में झूलते हुए मग्न हो रही हूँ...।

सूक्ष्म चेकिंग - चार्ट

1) सारे दिन प्राप्ति सम्पन्न स्थिति का अनुभव किया?

2) मन उमंग-उत्साह और खुशी से भरपूर रहता है?

3) सदा यह स्मृति रहती है कि पाना था सो पा लिया, काम क्या बाकी रहा?

4) सम्बन्ध-सम्पर्क में आते आत्मा खुशी और आनंद का अनुभव करती है?

दूसरा सप्ताह - शक्ति स्वरूप स्थिति

12 अगस्त से 18 अगस्त तक के लिए विशेष अभ्यास

प्रथम दिन 12-8-25

गुण:- सदा स्मृति रहे कि हजार भुजा वाला सर्वशक्तिवान बाप मेरे साथ है।

शक्ति:- सर्वशक्तिवान बाबा के याद की किरणों के नीचे बैठ सर्वशक्तियों से सम्पन्न बन अपनी शक्ति स्वरूप स्थिति से चारों तरफ के वातावरण में शक्तिशाली किरणें फैला रही हूँ...।

दूसरा दिन 13-8-25

गुण:- चलते-फिरते स्मृति रहे मैं शिव शक्ति अवतार हूँ...।

शक्ति:- शिव बाबा के समान मैं आत्मा इस धरा पर विश्व कल्याण के लिए अवतरित हुआ हूँ। शिव के साथ कम्बाइण्ड शिव शक्ति अवतार बन अपनी शक्तियों की किरणों से संसार के दु:ख दर्द, अज्ञानता और कमजोरियों को मिटाकर शक्तिशाली बनाए, सभी का कल्याण कर रही हूँ...।

तीसरा दिन 14-8-25

गुण:- मैं असुर संहारनी दुर्गा हूँ।

शक्ति:- मैं आत्मा सर्वशक्तिवान की शक्तियों से सम्पन्न हूँ। संसार से आसुरी वृत्तियों का विनाश कर उनके दुर्गुणों को नाश कर ईश्वरीय शक्तियों से हर आत्मा को भरपूर कर रही हूँ। सभी के दुर्गुण और आसुरी वृत्तियां समाप्त हो रही हैं। सभी दिव्य गुण,दिव्य शक्तियों से सम्पन्न बन रहे हैं...।

चौथा दिन 15-8-25

गुण:- सदा ये स्वमान याद रहे कि मैं मा. सर्वशक्तिवान हूँ---।

शक्ति:- मैं एक चमकता हुआ शक्ति पुंज हूँ। सर्वशक्तिवान बाबा से सर्वशक्तियाँ प्राप्तकर मा. सर्वशक्तिवान बन रही हूँ। मुझ आत्मा से सर्व शक्तियों की किरणें निकल कर दूर-दूर तक फैल रही हैं। चारों तरफ का वातावरण शक्तिशाली बनता जा रहा है...।

पाचवां दिन   16-8-25

गुणः- अटेन्शन रहे कि सारे विश्व को सहयोग देने वाला सैल्वेशन आर्मी हूँ।

शक्तिः- सुप्रीम कमांडर से सर्व शक्तियों का बल प्राप्त कर मैं आत्मा शक्ति सम्पन्न बन अपने शुद्ध और शक्तिशाली संकल्पों के प्रकम्पन्न से विश्व की कमजोर आत्माओं को सैल्वेशन देकर मदद कर रही हूँ...।

छट्ठा दिन   17-8-25

गुणः- सदा स्मृति रहे कि सर्व के विघ्नों को विनाश करने वाला विघ्न-विनाशक गणेश हूँ।

शक्तिः- मैं आत्मा सर्वशक्तिवान शिव की संतान हूँ। सर्व आत्माओं के विघ्नों को हरने वाला विघ्नहर्त्ता बन अपने सर्वशक्तियों की सकाश से सर्व आत्माओं के विघ्न विनाश करने में सहयोग दे रही हूँ। सर्व के विघ्न समाप्त हो रहे हैं। सभी का कल्याण हो रहा है...।

सातवां दिन   18-8-25

गुणः- भय के वातावरण में भी निर्भय रहने वाला माइट हाउस हूँ...।

शक्तिः- मैं आत्मा माइट हाउस हूँ। बाबा से लाइट और माइट लेकर शक्ति सम्पन्न बन गयी हूँ। बाप समान माइट हाउस बन अपनी लाइट और माइट की किरणों से, श्रेष्ठ वायब्रेशन से आत्माओं को भरपूर और शक्तिशाली बना रही हूँ...।

सूक्ष्म चेकिंग - चार्ट

1) अमृतवेले से रात्रि तक परमात्म शक्तियों की छत्रछाया अनुभव होती है?

2) किसी भी परिस्थिति व समस्या के समय भी शक्ति स्वरूप स्थिति रहती है?

3) सम्बन्ध-सम्पर्क में आते आत्माओं को शक्तियों की किरणें देने का अभ्यास किया है?

4) चलते-फिरते, कर्म करते शक्तिशाली स्थिति रहती है?

तीसरा सप्ताह - नम्रता स्वरूप स्थिति

19 अगस्त से 25 अगस्त तक के लिए विशेष अभ्यास

प्रथम दिन 19-8-25

गुणः- कर्म करते स्मृति में रहे कि मैं निमित्त मात्र हूँ, करावनहार बाबा है।

शक्तिः- मीठे बाबा ने मुझ आत्मा को विश्व सेवा के लिए निमित्त बनाया है। विश्व कल्याण की श्रेष्ठ भावना से नम्रता का अवतार बन, विश्व की सर्व आत्माओं को सहयोग दे रही हूँ...।

दूसरा दिन 20-8-25

गुणः- चलते-फिरते स्मृति रहे कि मैं खुदाई खिदमतगार हूँ।

शक्तिः- सर्वशक्तिवान की छत्रछाया के नीचे ब्रह्मा बाप समान सम्पूर्ण निरहंकारी हूँ। निमित्त भाव और निर्मानिता के गुण से खुदाई खिदमतगार बन नम्रता की शक्ति से सर्व के प्रति स्नेह, सहयोग की किरणें फैला रही हूँ...।

तीसरा दिन 21-8-25

गुणः- सदा स्मृति रहे कि नाम, मान, शान से परे अभिमान मुक्त आत्मा हूँ।

शक्तिः- देह से न्यारे, आत्मिक स्थिति का अभ्यास करते हुए मन, बुद्धि को समर्पित कर बाबा से दिल की दुआयें अनुभव कर रही हूँ। मान, शान से परे अभिमान मुक्त बन निर्माणिता के गुण से नम्रचित बनती जा रही हूँ...।

चौथा दिन 22-8-25

गुणः- वृत्ति में रहे कि मैं रूहानी सोशल वर्कर हूँ...।

शक्तिः- देही अभिमानी बन परमात्म शक्तियों की किरणों के नीचे रूहानियत की शक्ति से भरपूर निर्मानचित्त स्थिति का अनुभव कर रही हूँ। रूहानी सोशल वर्कर बन सार्व आत्माओं को सुख-शान्ति, शक्ति की सकाश का सहयोग दे रही हूँ...।

पाचवां दिन 23-8-25

गुणः- संगठन में रहते स्मृति रहे कि मैं बालक सो मालिक हूँ...।

शक्तिः- अपने स्वमान की सीट पर बैठ संगठन में रहते कोई भी श्रीमत या राय को बालक बनकर स्वीकार कर नम्रता में नम्बर हूँ और मालिक बन संगठन को मजबूत बनाने में सर्व को मदद कर रही हूँ...।

छट्ठा दिन 24-8-25

गुणः- महसूसता की शक्ति द्वारा स्व परिवर्तन के लिए मैं क्षमा प्रार्थी हूँ...।

शक्तिः- अपनी सूक्ष्म गलतियों को परिवर्तन करने के लिए मैं क्षमा प्रार्थी हूँ। क्षमा कर देना, क्षमा लेना, इसी विधि से डबल लाइट रह उड़ती कला का अनुभव कर रही हूँ...।

सातवां दिन 25-8-25

गुणः- हाँ जी का पाठ स्मृति में पक्का रखने वाला आज्ञाकारी हूँ...।

शक्तिः- देही अभिमानी बन निरहंकारी स्थिति के अभ्यास से ब्रह्मा बाप समान ओबिडियेन्ट, दादी प्रकाशमणि के समान दिल तख्तनसीन सो भविष्य राज्य तख्तनसीन स्थिति का अनुभव कर रही हूँ...।

सूक्ष्म चेकिंग - चार्ट

1) सदा नाम, मान, शान और अभिमान से परे की स्थिति का अनुभव करते हैं?

2) सेवा करते निस्वार्थ सेवाधारी की स्थिति रहती है?

3) निमित्त और निर्मान भाव धारण करके रहते है?

4) झुकना, सहन करना, सॉरी कर लेना, क्या इस गुण को अपनाया है?

चौथा सप्ताह - मधुरता स्वरूप स्थिति

26 अगस्त से 1 सितम्बर तक के लिए विशेष अभ्यास

प्रथम दिन 26-8-25

गुणः- चलते-फिरते कर्म करते स्मृति रहे कि मैं मधुरता की मूर्ति हूँ...।

शक्तिः- अर्न्तमुखी बन स्नेह के सागर की किरणों के नीचे मधुरता के गुण से सम्पन्न बन रही हूँ। ब्रह्मा बाप समान तथा दादी जी के समान मधुरता की शक्ति से भरपूर बनकर अपने मनसा से चारों तरफ मधुर वायब्रेशन फैला रही हूँ...।

दूसरा दिन 27-8-25

गुणः- सर्व के सम्बन्ध-सम्पर्क में आते स्मृति रहे कि मुख से मधु समान बोल बोलने वाली आत्मा हूँ---।

शक्तिः- सर्वशक्तिवान की छत्रछाया के नीचे बैठ यही अभ्यास करें कि मेरे संकल्प, बोल और कर्म मधु समान मीठे, मधुर बनते जा रहे हैं। मधुरता की शक्ति से सम्पन्न बन, मधुसुदन को प्रत्यक्ष करने के लिए अपने संगठन रूपी किले को शक्तिशाली बनाने में सहयोग कर रही हूँ...।

तीसरा दिन 28-8-25

गुणः- हर आत्मा की विशेषता को देख उन्हें आगे बढ़ाने वाली महान आत्मा हूँ...।

शक्तिः- आत्मिक स्थिति का अभ्यास करते हुए हरेक के प्रति शुभ भावना रख उन्हें अविनाशी स्नेह की पालना देकर मधुरता के संस्कारों से भरपूर कर रही हूँ। सभी दिव्य संस्कारधारी बनते जा रहे हैं...।

चौथा दिन 29-8-25

गुणः- सदा स्मृति रहे कि बापदादा के इस रूहानी बगिया की पालना करने वाले मा॰ बागवान हूँ।

शक्तिः- बागवान शिव बाबा के बगीचे के हरेक रूहे गुलाब आत्मा को रूहानी माली बन स्नेह रूपी जल और मधुरता की शक्ति से पालना दे रही हूँ। मा॰ बागवान बन इस रूहानी बगिया में मधुरता की खुशबू फैला रही हूँ...।

पाचवां दिन 30-8-25

गुणः- हर समय यही स्मृति रहे कि बापदादा के अंग-संग रहने वाली मधुबन निवासी आत्मा हूँ।

शक्तिः- बापदादा से मिलन मनाते मधुरता के सागर की लहरों में सदा लहराने का अनुभव कर रही हूँ। मधुबन निवासी हूँ, इस श्रेष्ठ स्वमान में स्थित होकर अपनी वृत्ति, वाणी और कर्म द्वारा चारों तरफ मधुरता की लहरें फैला रही हूँ...।

छट्ठा दिन 31-8-25

गुणः- संगठन में रहते सदा स्मृति रहे कि मैं दिव्य गुणधारी, गुणमूर्त आत्मा हूँ।

शक्तिः- सर्व गुणों के सागर शिव बाबा की किरणों के नीचे सर्व गुणों से सम्पन्न स्थिति का अनुभव कर रही हूँ। ब्रह्मा बाप समान मधुरता की शक्ति से भरपूर दिव्य गुणधारी, गुणमूर्त बन चारों तरफ के वातावरण में मधुरता और दिव्यता के प्रकम्पन्न फैला रही हूँ...।

सातवां दिन 1-9-25

गुणः- अमृतवेले से रात्रि तक यही स्मृति रहे कि मीठा बनाने वाले बाबा का मीठा बच्चा हूँ।

शक्तिः- मीठे बाबा से सर्व सम्बन्धों का अनुभव करते, प्रभु पालना और सर्व प्राप्तियों से भरपूर हो रही हूँ। भाग्य विधाता, वरदाता बाबा के वरदानों से, मेरा स्वभाव, संस्कार मीठा बन रहा है। बाप समान बन सर्व आत्माओं को मधुरता के गुणों का दान दे रही हूँ...।

सूक्ष्म चेकिंग - चार्ट

1) अमृतवेले से रात्रि तक मुख से मधुर बोल, सुखदायी बोल बोलने का अभ्यास किया?

2) मधुरता के साथ सत्यता और नम्रता का बैलेंस रहा?

3) सम्बन्ध-सम्पर्क में आने वाले मधुरता का अनुभव करते हैं?

4) कम बोलो, मीठा बोलो......यह स्लोगन स्मृति में रहा?